विश्वविद्यालय ने उत्साहपूर्वक मनायी 122वीं पंत जयन्ती

पंतनगर। 10 सितम्बर, 2009। विश्वविद्यालय परिसर स्थित पंत पार्क में पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 122वीं जयन्ती पर एक समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के आरम्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने निदेशकों, अधिष्ठाताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

कुलपति डा. बिष्ट ने सभी का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए पर्वत पुत्र के नाम से विख्यात पं. गोविन्द बल्लभ पंत के गुणों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने देश के महान नेताओं यथा डा. राजेन्द्र प्रसाद, पं. जवाहर लाल नेहरू और श्री लाल बहादुर शास्त्री द्वारा पंत जी के बारे में दिये गये उद्धरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि पं. नेहरू ने ही पंत जी को पर्वत के समान शांत एवं अडिग बताया था। पं. पंत के कार्यों का उल्लेख करते हुए डा. बिष्ट ने बताया कि उनके प्रयासों से ही डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के अनुमोदन के अनुसार वर्ष 1960 में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना तराई स्टेट फार्म पर हुई जिसे आज उन्हीं के नाम पर पंतनगर कहा जाता है। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्र में शिक्षा एवं सामाजिक सुधार, विशेष रूप से बेगार कुली प्रथा, समाप्त करने में उल्लेखनीय योगदान किया। डा. बिष्ट ने विश्वविद्यालय के तीसरे कुलपति डा. डी.पी. सिंह के संस्मरणों का उल्लेख करते हुए बताया कि पं. गोविन्द बल्लभ पंत ने डा. डी.पी. सिंह द्वारा कुलपति के रूप में किये जा रहे विकासोन्मुख कार्यों को सदैव प्रोत्साहित किया। तराई क्षेत्र के विकास का ऐतिहासिक विवरण देते हुए उन्होंने तराई स्टेट फार्म, डा. सन्धु एवं श्री ए.एन.झा. के योगदानों का उल्लेख किया। डा. बिष्ट ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, गरीबों की मदद, समाज के विकास जैसे पंत जी के सपनों को साकार करने के साथ–साथ उनके गुणों को अपनाने के लिए भी कहा।

इस अवसर पर अधिष्ठाता, गृह विज्ञान, डा. रीता सिंह रघुवंशी ने गोविन्द बल्लभ पंत मेमोरियल सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा किये जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए देश की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल का संदेश पढ़ा। अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा, डा. जी.के. सिंह ने उप राष्ट्रपति मो. हामिद अंसारी का संदेश एवं संचार निदेशक, डा. बी. कुमार ने प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का संदेश पढ़कर सुनाया। समारोह में बालनिलयम विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा गाँधी जी के प्रिय भजन 'रामधुन' एवं 'वैष्णो जन ते उनको कहिये' का गायन प्रस्तुत किया गया। बालनिलयम विद्यालय के ही छात्र नरेन्द्र कुमार ने पंत जी का जीवन परिचय दिया। इस अवसर पर पंत पार्क में कुलपति एवं उपस्थित अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस समारोह का संचालन अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. ए.के. कर्नाटक ने किया।

पंत जयन्ती समारोह के दूसरे चरण में अपराह्न में डा. रतन सिंह सभागार में पं. गोविन्द बल्लभ पंत के जीवन और कार्यों से सम्बन्धित एक फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा परिसर के छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। पंत भवन छात्रावास के मुख्य छात्रावास अधीक्षक डा. जी.के. सिंह एवं अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. ए.के. कर्नाटक द्वारा पंत जी के जीवन से सम्बन्धित विशेष व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर परिसर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतियोगियों को कुलपति डा. बिष्ट ने पुरस्कार वितरित किया एवं शुभकामनायें दीं। कार्यक्रम के अंत में पंत भवन छात्रावास के सचिव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट